



वर्ष - 1

अंक - 1

जनवरी-मार्च 2010

मंडल रेल प्रबंधक का संदेश

लामडिंग मंडल द्वारा हिंदी में लघु पत्रिका 'लामडिंग दर्पण' के प्रथम अंक के प्रकाशन पर मैं लामडिंग रेल परिवार को हार्दिक बधाई देता हूँ। यह मंडल रेल के माध्यम से पूर्वोत्तर के असम, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा तथा मिजोरम जैसे सुदूरवर्ती राज्यों को देश के अन्य भागों से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। मंडल के सतत विकास हेतु समस्त रेल परिवार सदैव तत्पर है।

मंडल ब्रह्मपुत्र तथा बराक घाटी की तराई से लेकर सुदूर तक ऊँची-नीची पहाड़ियों तथा घाटियों तक फैला हुआ है। भौगोलिक तथा सामरिक महत्व के मद्देनजर इसे पूर्वोत्तर क्षेत्र का "प्रवेश द्वार" भी कहा जाता है।

इस क्षेत्र की जनता को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करना मंडल की प्रतिबद्धता है। हमारे निष्ठावान कार्मिकों की कार्यकुशलता, अथक परिश्रम तथा दूरदर्शिता और इस क्षेत्र की जनता के सहयोग से मंडल अपने दायित्वों को पूरा करते हुए क्षेत्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

मुख्य संपादक की कलम से...

यह प्रसन्नता की बात है कि लामडिंग मंडल त्रैमासिक हिंदी पत्रिका 'लामडिंग दर्पण' प्रकाशित करने जा रहा है। पत्रिकाएं विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होती हैं। विशेषकर रेलों पर प्रकाशित होने वाली पत्रिकाएं रेल परिवार को एक सूत्र में जोड़ने का काम भी करती हैं। राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में गृह-पत्रिकाओं का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण है तथा इससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच अपना दैनिक काम काज हिंदी में करने के लिए अनुकूल वातावरण का सृजन होता है। यह मंडल 'ग' क्षेत्र में स्थित है तथा इसका कार्यक्षेत्र पूर्वोत्तर के पाँच राज्यों तक फैला हुआ है। बहु भाषा-भाषी प्रांतों में फैले होने के बावजूद भी मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में काम काज को सहजता से कर लेते हैं।

मैं चाहूँगा कि 'लामडिंग दर्पण' रेल कार्मिकों के बीच संप्रेषण का एक सशक्त माध्यम बने। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में भी पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन की उपयोगिता एवं महत्व निर्विवाद है। इसका प्रमुख कारण यह भी है कि ज्ञान, शिक्षा तथा मनोरंजन का यह सबसे पुराना तथा लोकप्रिय साधन आधुनिक कंप्यूटर युग में भी आम आदमी के लिए सहज, सुलभ, मितव्ययी और सुविधाजनक माना जाता है। पत्रिका का मुख्य उद्देश्य मंडल में किए जा रहे कामकाज को उजागर करना है। मैं पत्रिका से जुड़े समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए इसके नियमित प्रकाशन की कामना करता हूँ।



राष्ट्रियता की सबसे खरी परीक्षा तो आखिर यही है कि हम उस समूह का हित, जिसे हम राष्ट्र कहते हैं, बिल्कुल इस तरह देखें, मानो यह हमारा व्यक्तिगत हित हो।

'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी

महाप्रबंधक का वार्षिक निरीक्षण

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने प्रमुख मुख्य विभाध्यक्षों के साथ 18 जनवरी 2010 को मंडल के लामडिंग - फरकार्टिंग सेक्शन का वार्षिक निरीक्षण किया। इस सेक्शन में उन्होंने विशेषकर जामगुड़ी, सरुपथार, बोकाजान, डिमापुर, दीफु तथा लामडिंग स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुख-सुविधाएं, संरक्षा से संबंधित विषयों तथा यात्री-यातायात की मर्दों का गहन निरीक्षण किया।



लामडिंग- फरकार्टिंग सेक्शन में कि.मी.318/6-8 पर स्थित ब्रिज संख्या 331 (दयांग) का निरीक्षण करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल, मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारीगण।

जल शोधन संयंत्र की स्थापना

लामडिंग रेल कॉलोनियों में परिष्कृत पेय जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया गया। इसका उद्घाटन 18 जनवरी 2010 को महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल के कर कमलों से संपन्न हुआ।



जल शोधन संयंत्र का उद्घाटन करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल साथ में मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारीगण।

नई रेल गाड़ियों का शुभारंभ

24 मार्च 2010 को गुवाहाटी स्टेशन पर एक रंगा-रंग कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय खान एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री माननीय श्री बी. के. हेण्डिक ने 2235/2236 गुवाहाटी-नई दिल्ली साप्ताहिक राजधानी एक्सप्रेस, बरास्ते मुजफ्फरपुर को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।



2235/2236 गुवाहाटी-नई दिल्ली साप्ताहिक राजधानी एक्सप्रेस, बरास्ते मुजफ्फरपुर को हरी झंडी दिखाते हुए माननीय श्री बी.के.हेण्डिक, अन्य सांसद एवं रेल पदाधिकारी।

माननीय सांसद श्री बी.कलिता, श्री बी.पी.वैश्य एवं श्रीमती बिजया चक्रवर्ती द्वारा 26 मार्च 2010 को कामाख्या स्टेशन से 5644 डाउन/5643 अप कामाख्या-पूरी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।



कामाख्या-पूरी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाते हुए सांसद।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल का त्रिपुरा दौरा

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल श्री शिव कुमार ने प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ त्रिपुरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 09 फरवरी 2010 को अगरतला स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन की स्वच्छता एवं रख-रखाव पर विशेष निदेश दिया।

10 फरवरी 2010 को महाप्रबंधक ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री, श्री मानिक सरकार, अन्य मंत्रियों, सांसदों एवं विभिन्न अधिकारियों के साथ बैठक किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में रेल सेवाओं में सुधार तथा नई रेल लाइनों के निर्माण/आमान परिवर्तन की परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल का लामडिंग एवं डिमापुर दौरा

अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 04 फरवरी 2010 को लामडिंग तथा डिमापुर स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने लामडिंग में शाखा अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य समीक्षा बैठक भी की। उन्होंने डिमापुर स्टेशन की वास्तु-शैली तथा स्वच्छता से प्रभावित होकर स्टेशन पर कार्यरत इंजीनियरी, वाणिज्य, चिकित्सा एवं रेल सुरक्षा बल कर्मचारियों के लिए 11,000/-रु. (ग्यारह हजार रुपये) का सामूहिक पुरस्कार प्रदान किया।

श्री देरेक ओ-ब्रिएन, अध्यक्ष, यात्री सेवा समिति का दौरा

29 जनवरी 2010 को अध्यक्ष, यात्री सेवा समिति, श्री देरेक ओ-ब्रिएन ने गुवाहाटी तथा कामाख्या स्टेशनों का दौरा किया। उन्होंने पूर्वोत्तर सीमा रेल के इन स्टेशनों की प्रशंसा करते हुए कामाख्या स्टेशन को भारतीय रेल में एक सुन्दर स्टेशन तथा गुवाहाटी स्टेशन को एक बेहतरीन स्टेशन बताया।



हमारी आकांक्षा जीवन रूपी भाव को इन्द्रधनुष का रंग देती है।

- गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर

आदर्श स्टेशन 'शिलचर'

आदर्श स्टेशन के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित मानदण्ड के अनुसार मंडल के बराक घाटी क्षेत्र में एकमात्र आदर्श स्टेशन 'शिलचर' को आधुनिक फर्नीचर, नवीनीकृत एवं परिवर्धित विश्रामालय तथा अन्य सुख-साधन से सुसज्जित किया गया है।



नव निर्मित आदर्श स्टेशन शिलचर के स्टेशन भवन का एक दृश्य

61वां गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

स्थानीय विवेकानंद स्टेडियम में 61वें गणतंत्र दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। रे.सु.ब., रे.सु.वि.ब., स्कूली बच्चे तथा स्काउट एवं गाईड का परेड, समारोह का विशेष आकर्षण रहा।



लामडिंग के स्थानीय विवेकानंद स्टेडियम में 61वां गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान घजारोहण करते हुए श्री अजीत पंडित, मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारीगण।

लामडिंग मंडल प्रगति के पथ पर

पूर्वोत्तर सीमा रेल में लामडिंग मंडल का बड़ा ही विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण स्थान है। पूर्वोत्तर के पाँच राज्यों को छूता हुआ यह मंडल बड़ी लाईन/बी.जी.(B.G) और छोटी लाईन/एम.जी.(M.G) का एक सुंदर समावेश है। बी.जी.(B.G) से देश के अन्य प्रांतों से आया खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, शक्कर, गेहूँ लामडिंग स्टेशन से यानांतरित(Tranship) होकर/एम.जी.(M.G) प्रणाली से त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नगालैण्ड और असम के विभिन्न क्षेत्रों में जाता है।

2009 के जुलाई तक अनेक उग्रवादी संगठनों के गतिविधियों के कारण इस मंडल की स्थिति काफी निराशाजनक थी। कुछ ही दिनों बाद आशा की किरणें दिखाई देने लगी और पिछले दस महीनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ। 19-20 गाड़ियों प्रतिदिन लामडिंग-बदरपुर के बीच आवागमन कर पिछले सभी कीर्तिमानों को तोड़ दिया है।

लामडिंग-शिलचर एवं लामडिंग-अगरतला के बीच रात्रिकालीन गाड़ियों को पुनः चलाया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए इन गाड़ियों सहित अगरतला-शिलचर और अगरतला-धर्मनगर के बीच के गाड़ियों में वातानुकूलित सुविधाएं भी शुरू की गई हैं।

योजनाबद्ध तरीके से लामडिंग मंडल में यू.पी.एस. की स्थापना की जा रही है। अब तक गुवाहाटी से लामडिंग के मध्य सभी स्टेशनों पर यू.पी.एस. प्रणाली को स्थापित किया गया है।

शिलचर को आदर्श स्टेशन के अनुरूप मूलभूत सुविधाएं प्रदान की गई हैं। स्टेशन के कार्याकल्प का भी सुधार किया गया है।

मान्यता प्राप्त यूनियनों के साथ वार्तालाप एवं प्रेम (PREM) सम्मेलन भी समयबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं।

मुझे आशा है कि मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम और प्रयासों से यह मंडल 2010-2011 में नए आयाम प्राप्त करेगा।

मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग

‘यात्री सुविधा के नए आयाम’

- **हयबरगॉव-मैराबाड़ी सेक्शन** : 22 जनवरी 2010 को 44.62 किलोमीटर के हयबरगॉव-मैराबाड़ी शाखा लाइन सेक्शन में बहु प्रतिक्षित यात्री-यातायात प्रारंभ किया गया।
- **शिलचर स्टेशन परिसर में बहु उद्देशीय परिसर का निर्माण** : शिलचर में आईओसी द्वारा खाली किए गए क्षेत्र में एक बहु उद्देशीय परिसर के निर्माण की योजना है। इससे रेल यात्रियों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं स्टेशन परिसर में ही उपलब्ध हो सकेंगी।
- **जन आहार आउटलेट का शुभारंभ** : स्टेशन परिसर में यात्रियों को ताजा व पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुवाहाटी स्टेशन में 28 फरवरी से जन आहार आउटलेट प्रारंभ किया गया।
- **रेल हेड पीआरएस** : मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर रेल हेड पीआरएस का शुभारंभ कर दिया गया है।
- **गैर रेल हेड पीआरएस का शुभारंभ** : यात्रियों को आरक्षण की निकटतम सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्र के सभी प्रमुख शहरों यथा नांगपो (मैघालय), उदयपुर (त्रिपुरा), मोकोकचुंग (नगालैण्ड), चंपाई (मिजोरम), सेनापति एवं विष्णुपुर (मणिपुर) एवं ओखा (नगालैण्ड) राज्यों में गैर रेल हेड पीआरएस का शुभारंभ किया गया है। इस प्रकार मंडल में अब तक कुल आठ गैर रेल हेड पीआरएस प्रारंभ किए जा चुके हैं।
- **मानव रहित समपार फाटक को मानवयुक्त करना**: अवधि के दौरान संरक्षा के मद्देनजर सड़क-रेल क्रॉसिंगों पर जान-माल की सुरक्षा हेतु कुल 11 समपार फाटकों को मानवयुक्त किया गया।
- **मीटर लाइन सेक्शन में स्थायी गति प्रतिबंध की समाप्ति** : मीटर लाइन सेक्शन में गाड़ियों की बारंबारता बढ़ाने के उद्देश्य से रेल पथ में सुधार एवं अनुरक्षण कर सात स्थलों पर लगाए गए स्थायी गति प्रतिबंध हटाए गए।
- **डीजी सेट का शुभारंभ** : दिनांक 16.02.2010 को पावर हाउस/लामडिंग में 750 केवीए पर्यावरण हितैषी डीजी सेट स्थापित किया गया।

“ऑन लाइन प्रशिक्षण”

दूर-शिक्षण (Distant learning) कार्यक्रम योजना के तहत इरिसेन/पूणे के सहयोग से दिनांक 16.02.2010 तथा 22.02.2010 को पूर्वोत्तर सीमा रेल में पहली बार ‘ऑन लाइन प्रशिक्षण’ का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में लामडिंग मंडल के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय सहित अन्य वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, मंडल इंजीनियर, सहायक मंडल इंजीनियर तथा वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/रेल पथ आदि ‘ऑन लाइन’ शामिल हुए। इरिसेन/पूणे से प्रो. वी.बी.सूद द्वारा ‘ऑन लाइन प्रशिक्षण’ दिया गया।

जागरूकता अभियान

महिला स्वास्थ्य जॉब शिविर का आयोजन- महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंडल रेल महिला कल्याण संगठन, लामडिंग द्वारा 23 फरवरी 2010 को रेलवे इंस्टीट्यूट, लामडिंग तथा 17 मार्च 2010 को बदरपुर में महिला स्वास्थ्य जॉब शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं को होने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों के बारे में ‘स्लाइड शो’ के जरिए जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मंडल के डाक्टरों के अलावा मालीगॉव मुख्यालय, मेडिकल कॉलेज, शिलचर तथा रेड क्रॉस सोसाइटी, करीमगंज के विशेषज्ञ डाक्टरों ने भी भाग लिया।



लामडिंग में आयोजित महिला स्वास्थ्य जॉब शिविर का आयोजन करती हुई श्रीमती नीता पंडित अध्यक्ष, मंडल रेल महिला कल्याण संगठन, लामडिंग।

मंडल की गत तीन महिनों की गतिविधियाँ

इंजीनियरी

लामडिंग मंडल में इंजीनियरी विभाग का काम बहुत ही कठिन है। आतंकवादी गतिविधियों के कारण ट्रैक की मरम्मत / देखभाल करना काफी जोखिम भरा कार्य है। पिछले 10-11 महीनों से आतंकवादी गतिविधियों में कमी आई है। जिसके कारण ट्रैक की मरम्मत और इसके देखभाल के कार्यों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और लामडिंग-बदरपुर-अगरतला के बीच आवागमन सुचारु रूप से चलना प्रारंभ हो गया है।

लामडिंग मंडल में इंजीनियरी विभाग द्वारा सफलतापूर्वक प्राप्त किए गए लक्ष्य निम्नलिखित हैं- बी.जी. में टी.आर.आर/पी 16.919 कि.मी., बी.जी. में टी.एस.आर/पी 16.216 कि.मी., एम.जी. में टी.आर.आर/पी 32.709 कि.मी., एम.जी. में टी.एस.आर/पी 39.665 कि.मी., टी.डब्ल्यू.आर. 28.292 कि.मी., स्कैप 9961.847 मैट्रिक टन डिस्पोजल, 6 समपार फाटकों का समापन, 11 समपार फाटकों को मानवयुक्त करना, 3 पुलों का मरम्मत/पूर्णनिर्माण, 10408 पौधों का वृक्षारोपण, एस.टी.पी. 120 कि.मी.आई.आर.आई.सी.ई.एन/पुणे से प्रो. वी.बी. सुद के साथ लाईव विडियो कॉन्फ्रेंसिंग, सेंचुवा-सिलघाट तथा हयबरगॉव-मैराबाड़ी के बीच नई लाईन का निर्माण, 608 गेटकीपर/ट्रैकमैन/मेट/की-मेट का प्रशिक्षण इत्यादि।

जलापूर्ति के क्षेत्र में आश्चर्यजनक प्रगति के लिए इस मंडल को मुख्यालय से जलश्री पुरस्कार, 2010 प्राप्त हुआ। संपूर्ण कार्यों के लिए भी इस मंडल के इंजीनियरी विभाग को रंगिया मंडल के साथ संयुक्त रूप से जोनल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मुझे आशा है कि सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लगन और मेहनत से यह विभाग 2010-11 में बुलंदी की शिखर पर पहुंचेगा।

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/लामडिंग

राजभाषा की प्रमुख गतिविधियाँ

राजभाषा सांस्कृतिक समारोह का आयोजन

29 मार्च 2010 को स्थानीय रेलवे इंस्टीट्यूट, लामडिंग में एक रंगा-रंग सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मंगल गान, भजन, गजल, नृत्य तथा एकांकी नाटक "नौकरी या शादी" का मंचन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने वर्ष 2009 के दौरान सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक एवं प्रशंसनीय प्रयोग करने वाले कुल 35 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किए।



एकांकी नाटक "नौकरी या शादी" का एक दृश्य

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

मंडल रेल प्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में 29 मार्च 2010 को 15.30 बजे मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लामडिंग की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा के विभिन्न मर्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।



मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, लामडिंग की बैठक को संबोधित करते हुए श्री अजीत पंडित, मंडल रेल प्रबंधक

"सहायक साहित्य का प्रकाशन"

राजभाषा के दैनिक प्रयोग में आने वाले स्थापना, प्रबंध तथा प्रशासन से संबंधित शब्दावलीयों के सहायक साहित्य का विमोचन मंडल रेल प्रबंधक द्वारा दिनांक 29.03.2010 को आयोजित मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में किया गया।

संरक्षक
अजीत पंडित
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
सतीश कोखरी
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादक एवं सहयोग

बलदेव सिंह,
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/सम.

आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी

मंडल में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए मंडल के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के पदनाम से संबंधित सहायक साहित्य "पदनाम सहायिका" का विमोचन अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा 29 मार्च 2010 को आयोजित मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में किया गया।

यांत्रिक इंजीनियरी

डीजल शेड, न्यू गुवाहाटी ने मोटरों के असमय कंपन की जाँच के लिए भाइब्रोमीटर, टी.एम. को ठंडा रखने के लिए मैनो मीटर, टी.एम. में आई खराबी की जाँच के लिए डिजीटल क्लैम्प मीटर आदि का प्रयोग कर तकनीकी क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

डीजल लोको शेड, न्यू गुवाहाटी के कर्मचारियों के स्थापना विषयक मामलों का रख-रखाव शेड में ही किया जाता है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सुविधा हेतु सेवानिवृत्ति समारोह शेड में ही आयोजित किए जाते हैं। सभी कर्मचारियों को स्वस्थ एवं दुरुस्थ रखने के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जाँच शिविर शेड में ही लगाए जाते हैं।



न्यू गुवाहाटी डीजल शेड में स्थापित नए जाँच तकनीक के उपकरण भाइब्रोमीटर, मैनो मीटर तथा डिजीटल क्लैम्प मीटर

चिकित्सा

चिकित्सा विभाग द्वारा मार्च/10 में चापरमुख, डिमापुर, धनसिरी तथा लामडिंग में बहुउद्देश्य स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन कर कुल 310 कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत मंडल में प्रथम चरण में 5855 तथा दूसरे चरण में 6501 पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों का टीकाकरण किया गया।

वाणिज्य

वर्ष 2009-10 के दौरान मंडल का कुल अर्जन रु. 535.16 करोड़ रहा जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 10.17 प्रतिशत अधिक तथा लक्ष्य से 1.49 प्रतिशत अधिक रहा। मंडल के हिल सेक्शन में कानून व्यवस्था में कमी होने की वजह से 198 दिनों तक गाड़ी बंद रहने के बावजूद यह अर्जन पिछले 5 वर्षों में सबसे अधिक रहा। बीजी/टीपीटी/लामडिंग में यानांतरण में आश्चर्यजनक सुधार हुआ है। यहाँ प्रतिदिन 14.4 बीजी X एमजी और 16.2 एमजी X बीजी की दर से यानांतरण हो रहा है। इस मंडल के महत्वपूर्ण स्टेशनों पर सवारी डिब्बा संदर्शन प्रणाली, गाड़ी संसूचक बोर्ड आदि की व्यवस्था की गई है।

कार्मिक कल्याण

1. प्राकृतिक आपदा, आगजनी, भू-स्खलन, बाढ़ आदि से प्रभावित कर्मचारियों को तुरंत राहत पहुँचाने के लिए उनके बीच 16,000/-रुपए वितरित किए गए।
2. मंद दृष्टि वाले 49 कर्मचारियों को कर्मचारी हितलाभ निधि से चश्मा सहायता राशि स्वरूप कुल 23,320/- रुपए आबंटित किए गए।
3. लंबी बीमारी से ग्रस्त कर्मचारियों को सहायता स्वरूप कुल 1,30,000/- रुपए वितरित किए गए।
4. सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने पर मृत कर्मचारी के परिजनों को सहायता स्वरूप कुल 3,50,000/- रुपए वितरित किए गए।